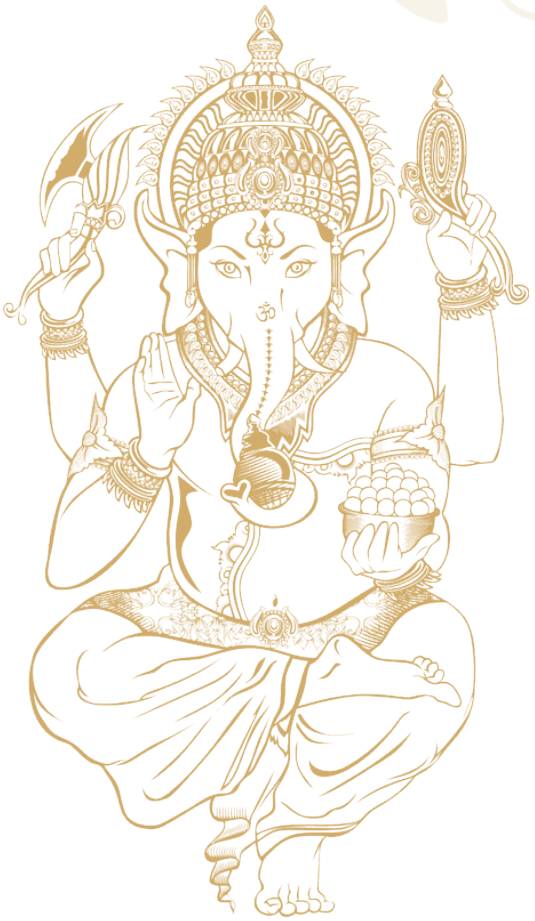

A

17 Jan 2026

02:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121688006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/01/2026**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	47:29:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:41 घंटे
साम्पातिक काल	09:39:03 घंटे
सूर्योदय	07:15:09 घंटे
सूर्यास्त	17:46:53 घंटे
दिनमान	10:31:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:30:36 मकर
लग्न के अंश	23:20:50 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:20:50	307:22:56	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मक	02:30:36	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	10:18:41	12:09:43	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	00:42:15	00:46:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	धनु	29:26:39	01:38:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:00:45	00:07:58	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	04:56:26	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:03:15	00:04:51	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:31:58	00:08:33	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:31:58	00:08:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:22:52	00:00:56	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:32:56	00:01:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:59:25	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	28:11:14	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

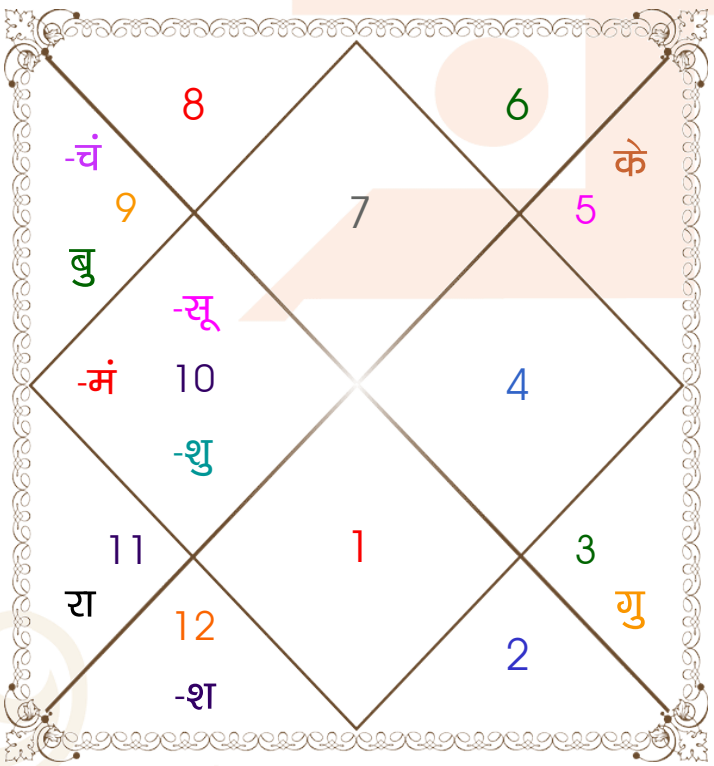

चन्द्र कुंडली

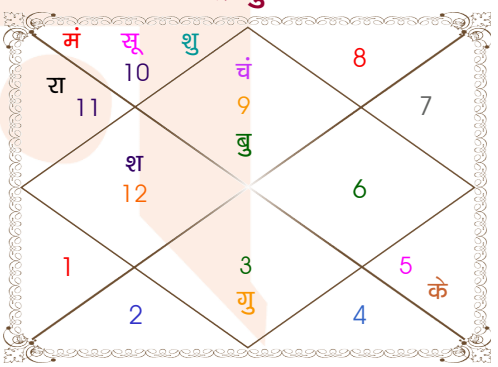

नवमांश कुंडली

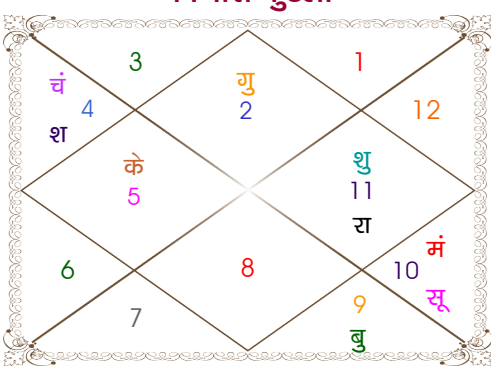

Tisang
Jansath
9639472481
ankitkumartisang@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 7 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/01/2026		19/08/2027		19/08/2047		19/08/2053		19/08/2063	
19/08/2027		19/08/2047		19/08/2053		19/08/2063		19/08/2070	
	00/00/0000	शुक्र	19/12/2030	सूर्य	07/12/2047	चंद्र	19/06/2054	मंगल	15/01/2064
	00/00/0000	सूर्य	19/12/2031	चंद्र	06/06/2048	मंगल	18/01/2055	राहु	02/02/2065
	00/00/0000	चंद्र	19/08/2033	मंगल	12/10/2048	राहु	19/07/2056	गुरु	09/01/2066
	00/00/0000	मंगल	19/10/2034	राहु	06/09/2049	गुरु	18/11/2057	शनि	17/02/2067
	00/00/0000	राहु	18/10/2037	गुरु	25/06/2050	शनि	19/06/2059	बुध	15/02/2068
	00/00/0000	गुरु	18/06/2040	शनि	07/06/2051	बुध	18/11/2060	केतु	13/07/2068
	17/01/2026	शनि	19/08/2043	बुध	12/04/2052	केतु	19/06/2061	शुक्र	12/09/2069
शनि	22/08/2026	बुध	19/06/2046	केतु	18/08/2052	शुक्र	17/02/2063	सूर्य	18/01/2070
बुध	19/08/2027	केतु	19/08/2047	शुक्र	19/08/2053	सूर्य	19/08/2063	चंद्र	19/08/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/08/2070		18/08/2088		19/08/2104		20/08/2123		19/08/2140	
18/08/2088		19/08/2104		20/08/2123		19/08/2140		00/00/0000	
राहु	01/05/2073	गुरु	06/10/2090	शनि	23/08/2107	बुध	16/01/2126	केतु	15/01/2141
गुरु	25/09/2075	शनि	19/04/2093	बुध	02/05/2110	केतु	13/01/2127	शुक्र	18/03/2142
शनि	01/08/2078	बुध	26/07/2095	केतु	11/06/2111	शुक्र	13/11/2129	सूर्य	23/07/2142
बुध	17/02/2081	केतु	01/07/2096	शुक्र	11/08/2114	सूर्य	19/09/2130	चंद्र	21/02/2143
केतु	07/03/2082	शुक्र	02/03/2099	सूर्य	24/07/2115	चंद्र	19/02/2132	मंगल	21/07/2143
शुक्र	07/03/2085	सूर्य	19/12/2099	चंद्र	21/02/2117	मंगल	15/02/2133	राहु	07/08/2144
सूर्य	30/01/2086	चंद्र	20/04/2101	मंगल	02/04/2118	राहु	04/09/2135	गुरु	14/07/2145
चंद्र	01/08/2087	मंगल	27/03/2102	राहु	06/02/2121	गुरु	10/12/2137	शनि	18/01/2146
मंगल	18/08/2088	राहु	19/08/2104	गुरु	20/08/2123	शनि	19/08/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 6 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Tisang
Jansath
9639472481
ankitkumartisang@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।